<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड– 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है । इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है । इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है ।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें। एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series YXWZ4 प्रश्न-पत्र कोड 2/4/1, 2/4/2, 2/4/3

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/4/1	2/4/2	2/4/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	(18)
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(B) भावनाओं की अभिव्यक्ति	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) आरंभिक समय के संघर्ष से न घबराने के लिए	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• तकनीकी विकास के कारण लेखकों और पाठकों को कंप्यूटरी साधन अनुकूल और सुविधाजनक लगना	**1**
	(v)	(v)	(v)	• विचारों से जूझना • लेखक का सृजन की पीड़ा से गुजरना • लेखक के हृदय में उपजी पीड़ा, अनुभूति, हर्षोल्लास को अभिव्यक्त करने की छटपटाहट (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• पढ़ने-लिखने से अधिक बोलने-सुनने पर अधिसंख्य लोगों का रुझान • लेखन के इलैक्ट्रॉनिक साधनों का अनुकूल और सुविधाजनक होना	2
	(vii)	(vii)	(vii)	• लेखन की मौलिकता एवं सृजनात्मकता के लिए लेखक का महत्त्व सदैव बने रहना • मुद्रित शब्दों की प्रामाणिकता सुनिश्चित	2

2	**2**	**1**	**2**	**अपठित पद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(8)
	(i)	(i)	(i)	(B) संध्या रूपी पक्षी	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) हवा, रेत, पानी	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• मानों थका-हारा चितकबरा विशाल अज़गर अपनी जिह्वा फैला विश्राम कर रहा हो	1
	(v)	(v)	(v)	• सर्वत्र सूर्य की स्वर्णिम और अरुणिम आभा बिखरी हुई दिखाई देना • वृक्षों की चोटियों से झरता सूर्य का स्वर्णिम प्रकाश सुनहरे झरनों-सा प्रतीत होना • दूर क्षितिज पर सूर्य ज्योति स्तंभ-सा नदी में धँसता हुआ प्रतीत होना संध्या रूपी पक्षी का पेड़ों की चोटियों पर विश्राम करता हुआ दिखाई देना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• नदी-तट की रेती का धूप-छाँह के रंग की तरह दिखाई देना • नदी के किनारे बने मंदिरों में पूजा-आरती शुरू होना, घंटे बजना • मंदिरों के कलश का गंगा की आरती करते हुए प्रतीत होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1
				खंड – ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	(22)
3	**3**	4	5	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख - • आरंभ – 1 अंक • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक	6**x**1= 6

4	**4**	**5**	**4**	किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित-	(4**x**2 =8)
	(i)	(i)	(i)	• आत्मनिर्भर होकर लिखित रूप में अभिव्यक्ति का अभ्यास नहीं होने से • अभिव्यक्ति के लिए उपयुक्त भाषा-शैली एवं शब्द-संपदा का अभाव	**2**
	(ii)	(ii)	(ii)	• सिनेमा, रंगमंच दृश्य-श्रव्य, रेडियो नाटक केवल श्रव्य माध्यम • सिनेमा, रंगमंच की तुलना में रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या एवं समय सीमित • सिनेमा, रंगमंच की अपेक्षा रेडियो नाटक में मंच-सज्जा, वस्त्र सज्जा और पात्रों की भाव-भंगिमाएँ सब कुछ संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iii)	(iii)	(iii)	• लंबे संवादों को छोटा करके • देशकाल, वातावरण के अनुरूप संवादों की रचना • संवादों को पात्रों की भावभंगिमाओं और स्वाभाविक तौर-तरीकों के अनुरूप बनाकर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iv)	(iv)	(iv)	• पाठकों द्वारा अपनी राय व्यक्त करना • मुद्दों और समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करना • नए लेखकों के लिए लेखन का अवसर (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(v)	(v)	(v)	• डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खबरों, लेखों, चर्चा-परिचर्चाओं, बहसों, झलकियों, डायरियों एवं फ़ीचर के रूप में पत्रकारिता • चौबीसों घंटे वैश्विक उपलब्धता के साथ अपडेशन की सुविधा	2

5	**5**	3	3	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2**x**4 =8)
	(i)	(iii)	(ii)	• लेखन में भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान • आबंटित जगह और निर्धारित समय-सीमा के अनुशासन का पालन • लेखन और प्रकाशन के बीच ग़लतियों और अशुद्धियों को ठीक करना • लेखन में विचारों एवं भावों की तारतम्यता बनाए रखना • प्रचलित भाषा के प्रयोग पर बल देना (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
	(ii)	-	-	विशेष रिपोर्ट - • समाचार पत्र-पत्रिकाओं में गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या पर आधारित, किसी घटना या समस्या पर आधारित रिपोर्ट तैयार करने की विधि - • घटना, समस्या या मुद्दे की गहरी छानबीन कर संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्यों का एकत्रीकरण • तथ्यों के विश्लेषण के जरिए उसके नतीजे, प्रभाव और कारणों का स्पष्टीकरण देते हुए रिपोर्ट की तैयारी (कोई एक बिंदु अपेक्षित) लेखन शैली – • भाषा सरल और सहज • विषय-विशेष की तकनीकी शब्दावली का प्रयोग	1+1+ 2
	(iii)	(ii)	(iii)	• स्थान और समय के आधार पर दृश्य विभाजन • कहानी के अनुसार औचित्यपूर्ण व क्रमानुसार दृश्य विभाजन • प्रारंभ, मध्य और अंत का ध्यान रखते हुए दृश्य विभाजन • कथानुसार दृश्यों का तार्किक विकास • परिवेश और परिस्थितियों के अनुसार दृश्य या मंच सज्जा आदि की व्यवस्था (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4

	-	(i)	-	पत्रकारीय विशेषज्ञता - ● विषय विशेष में जानकारी और अनुभव के आधार पर संबंधित घटनाओं और मुद्दों की सहजता से व्याख्या करना और अर्थ स्पष्ट करना कैसे हासिल की जाती है - ● रुचि विशेष से संबंधित विषयों की पुस्तकें, खबरें, रिपोर्ट पढ़कर ● विषय-विशेषज्ञों से मिलकर, बातचीत कर ● संबंधित संगठनों से जुड़कर ● लगातार अभ्यास द्वारा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2
	-	-	(i)	पत्रकारीय लेखन - ● समाचार पत्र-पत्रिकाओं द्वारा पाठकों तक सूचनाएँ पहुँचाना ● पाठकों को जागरूक करने और उनके मनोरंजन के लिए लेखन के विभिन्न रूप समान होते हुए भी पत्रकारीय लेखन अपनी विशिष्टताओं के साथ साहित्यिक या सृजनात्मक लेखन से कुछ मायनों में भिन्न- ● पत्रकारीय लेखन मुख्यतः समसामयिक और वास्तविक घटनाओं और समस्याओं पर आधारित, साहित्यिक लेखन कल्पना पर ● पत्रकारीय लेखन तात्कालिकता और पाठकों की रुचि पर आधारित, साहित्यिक लेखन कवि और लेखकों की रुचि पर ● पत्रकारीय लेखन में आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग, साहित्यिक लेखन में परिष्कृत भाषा का प्रयोग (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2+2
				खंड – ग **(पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)**	(40)
6	**6**	7	8	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(C) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) विचार और अभिव्यक्ति का	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(C) परिश्रम का प्रतिफल मिलने लगा	1

	(v)	(v)	(v)	(B) रचना और विकास के लिए स्वयं का त्याग करना पड़ता है।	1
7	7	6	6	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	-	(iii)	• सिल- रात्रि के अंधकार से युक्त नभ, केसर- उदित होते सूर्य की लालिमा • उषाकालीन आकाश के गतिशील सौंदर्य का वर्णन	1+1
	(ii)	-	-	• चिड़िया और कविता दोनों का उड़ान भरना • चिड़िया का पंखों के सहारे उड़ान भरना, कविता में कवि की कल्पनाओं और भावनाओं की उड़ान • चिड़िया की उड़ान सीमित, कविता में कल्पना की उड़ान असीमित (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	(iii)	(iii)	-	• निडरता और साहस के साथ विषम परिस्थितियों में डटे रहना • संयम,आत्मविश्वास और नवीन ऊर्जा से भर जाना	2
	-	(i)	-	• कविता का भावों, विचारों और शब्दों से तथा बच्चों का विभिन्न उपकरणों से खेलना • कविता में कल्पना की असीमित उड़ान, बच्चों के सपनों की भी सीमा न होना • कविता में अर्थ की व्यापक संभावनाएँ, बच्चों के खेल में उमंग, उत्साह, भविष्य, विकास की असीम संभावनाएँ • दोनों ही अपने-पराए, ऊँच-नीच, अमीर-गरीब की भावना से रहित (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	(ii)	-	• बालसुलभ इच्छाओं, कामनाओं और उमंगों का प्रतीक • सपनों से भरे मन द्वारा ऊँचाइयों को छूने का प्रतीक	2
	-	-	(i)	क्या- • चिड़िया की उड़ान • फूलों का महकना • बच्चों की रचनात्मक ऊर्जा (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1

				कारण- (उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	
	-	-	(ii)	• विषम परिस्थितियों का सामना करने से ही मनुष्य में दृढ़ता, आत्मविश्वास, निडरता और जुझारूपन जैसे गुणों का विकास • लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना करना • सतत परिश्रम कर अंततः सफल होना • पतंग लूटने-पकड़ने की कोशिश में छत के किनारों तक आना, गिरना और सँभलना, जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के समान (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
8	8	8	7	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 =6)
	(i)	(i)	(i)	तत्कालीन स्थिति- • अकाल की भीषणता • ग़रीबी, भुखमरी और बेरोजगारी का साम्राज्य • नैतिक मूल्यों का ह्रास वर्तमान स्थिति- • प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में राहत का उपलब्ध होना • सरकारी सहायता के बावजूद आज भी बेरोजगारी, भुखमरी जैसी समस्याओं के साथ-साथ भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, कालाबाज़ारी आदि का होना • नैतिक मूल्यों का निरंतर ह्रास	1½+ 1½
	(ii)	(ii)	(ii)	• एक चौकोर खेत- काग़ज का पन्ना, जिस पर रचना शब्दबद्ध होती है • विचार - भावनात्मक आँधी के प्रभाव से क्षण का बीज • कल्पना रूपी रसायन का सहारा लेकर बीज का विकास • शब्दों के अंकुर फूटना, पल्लवित और पुष्पित होना- रचना की पूर्णता (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

	(iii)	(iii)	(iii)	• समाज से व्यक्ति का नाता खट्टा-मीठा, जग जीवन से पूरी तरह निरपेक्ष रहना संभव नहीं • कवि की अपनी अस्मिता, अपनी पहचान का उत्स, उसका परिवेश ही उसकी दुनिया • कवि द्वारा दुनिया से अपने द्विधात्मक और द्वंद्वात्मक संबंधों का मर्म उद्घाटित करना	3
9	9	11	10	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	(**5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) जब लोग आपस में ग्राहक और बेचक का व्यवहार करते हैं।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) ग्राहक का शोषण होने लगता है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) जिस बाज़ार में लोगों की आवश्यकताओं का लाभ उठाकर शोषण किया जाए।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(B) उपभोक्तावादी	1
	(v)	(v)	(v)	(D) छल-कपट को बढ़ावा देने वाला शास्त्र	1
10	**1**0	9	9	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	(**2x**3 **=6**)
	(i)	-	-	किस प्रकार- • स्वाभिमान और निडरता के साथ • दृढ़ता के साथ संघर्षशील रहकर • अयोग्य लड़के से बेटी के पुनर्विवाह का विरोध करके परिणाम- • पंचायत के फैसले के समक्ष भक्तिन और उसकी बेटी का एक न चलना • सारी संपत्ति का पारिवारिक द्वेष में समाप्त हो जाना • आय के लिए भक्तिन का गाँव से शहर में पलायन	1½+ 1½
	(ii)	-	-	आशय- • त्यागपूर्वक दान का महत्त्व बताने के लिए • अपनी आवश्यकताओं की अपेक्षा कल्याणार्थ दूसरों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना	2+1

				उदाहरण- ● पानी का अर्घ्य देना ● खेतों में बीज की बुवाई (कोई एक उदाहरण अपेक्षित)	
	(iii)	-	-	● विपरीत परिस्थितियों का सामना कर अपना लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा ● अवधूत की भांति संसार से विरक्त होकर सुख-दुख के प्रति समभाव रखना ● शिरीष द्वारा ग्रीष्म ऋतु में भी लू से जलने वाली धरती पर अविचल होकर हरा-भरा रहना और छाया प्रदान करना	3
	-	(i)	-	कुरीति- ● बाल विवाह वर्तमान स्थिति - ● वैधानिक रूप से बाल-विवाह दण्डनीय अपराध, लोगों में जागरूकता ● अभी भी कहीं-कहीं इस कुप्रथा को अंजाम दिया जाना	1+2
	-	(ii)	-	कौन-से - ● विपदा-आपदा के समय सरकार द्वारा गरीब, बेसहारा लोगों की सहायता हेतु चलाई जाने वाली योजनाओं रूपी मेघों के लिए क्यों- ● भ्रष्टाचार के कारण इन योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुँच पाना ● स्थिति का जस का तस रह जाना	1+2
	-	(iii)	-	किनकी- ● अपनी अधिकार लिप्सा से दूर न जा पाने वाले राजनेताओं की क्यों- ● जब तक शिरीष के नए फल-पत्ते मिलकर पुराने फल को धकियाकर गिरा नहीं देते, तब तक वे अपना स्थान नहीं छोड़ते, उसी प्रकार नेता ज़माने का	1+2

				रूख न पहचान अपनी सत्ता में तब तक जमे रहते हैं, जब तक नई पीढ़ी उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देती	
	-	-	(i)	• स्त्री अस्मिता के संघर्ष की कहानी भक्तिन के माध्यम से अभिव्यक्त • पुत्र की चाह रखने वाले समाज में अपनी और बेटियों के हक के लिए संघर्ष • पति और जमाता की मृत्यु के बाद स्वयं और बेटी के लिए परिवार और पंचायत (समाज) से संघर्ष • गाँव से अपमानित हो सम्मानपूर्वक जीवनयापन के लिए शहरी जीवन जीने का संघर्ष (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	-	-	(ii)	क्यों- • लेखक में जीजी का प्राण बसना और लेखक के हाथों से किए गए दान-पुण्य का फल लेखक को ही प्राप्त होना (दूसरे और तीसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के उचित तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	1+1+1
	-	-	(iii)	संदर्भ- • अधिकार लिप्सा से दूर न जा पाने वाले राजनेताओं के संदेश- • अधिकार लिप्सा से दूर न जा पाने वाले राजनेताओं द्वारा समय रहते नई पीढ़ी को यथोचित अवसर देना चाहिए अन्यथा नई पीढ़ी द्वारा उन्हें जबरन हटा दिया जाएगा	1+2
11	11	10	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	आशय- • अधिकांश लोगों में उनके नाम के अनुरूप गुण-विशेषताएँ न होना संदर्भ- • भक्तिन (लक्ष्मी) के	1+1
	(ii)	(ii)	(ii)	• भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक नहीं पहुँच पाना • स्थिति का जस का तस रह जाना	2

	(iii)	(iii)	(iii)	• व्यक्तिगत रुचि और योग्यता के विरुद्ध किसी पेशे को अपनाने की बाध्यता • बेरोजगारी व भुखमरी की स्थिति • व्यक्ति का टालू काम करने और कार्य-कुशलता में कमी से आर्थिक पहलू प्रभावित होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
12	12	12	12	**'पूरक पाठ्य पुस्तक'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में) –	(**2x**5 =10)
	(i)	-	-	• पारिवारिक मतभेद • परिजनों से यथोचित सम्मान न मिलना • घर वालों से सामंजस्य न बैठा पाने के कारण हाशिए पर चले जाना • अतीत के मोह के कारण वर्तमान से कभी तालमेल न बिठा पाना • किशनदा के आदर्शों को ही जीवन का उद्देश्य मानना	5
	(ii)	-	-	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5
	(iii)	-	-	• संपन्नता, सुरुचि और कलात्मकता की कहानी • जीवंतता का अहसास • खंडहरों को देखकर उसके वैभव और भव्यता को महसूस करना • अन्नागार, स्नानागार, महाकुंड, स्तूप आदि का अब भी शहर में रहना • जल-संग्रहण, जल-निकासी आदि विकसित नगरीय सभ्यता की पहचान	5
	-	(i)	-	क्यों- • यशोधर बाबू का सिद्धांतवादी व्यक्तित्त्व • परिजनों से वैचारिक मतभेद (दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के उचित तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	-	(ii)	-	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5

	-	(iii)	-	• दैनिक प्रयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं में कलात्मकता • वास्तुकला या नगर-नियोजन कला की समृद्धि का प्रतीक • मूर्तियाँ, बर्तन, आभूषण आदि सभी पर उभारे गए चित्र, मुहरों पर उत्कीर्ण आकृतियाँ सिंधु घाटी के सौंदर्य बोध और रुचि की अभिव्यक्ति • वस्तुओं के प्राकृतिक सौंदर्य को अधिक महत्त्व • समृद्ध सभ्यता की दृष्टि से कला का व्यापक महत्त्व	5
	-	-	(i)	संदर्भ- • पिता द्वारा भूषण को उनसे सलाह लेने के लिए कहने के प्रत्युत्तर में क्यों- • भूषण के अनुसार पिता को नई तकनीक और नई समस्याओं की जानकारी न होना चारित्रिक समीक्षा - • भौतिकतावादी सोच से प्रभावित व्यक्ति • एकाधिकार की चाहत • दिखावे की प्रवृत्ति • अवसरवादी व स्वार्थी • पिता के प्रति विनम्रता का अभाव • पारिवारिक उत्तरदायित्वों के प्रति उपेक्षा का भाव • आय का घमंड (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	1+1+ 3
	-	-	(ii)	(उचित एवं तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	5
	-	-	(iii)	• छब्बीस सदी पहले बनी ईंटों से निर्मित • सबसे ऊँचे चबूतरे पर विशाल आकार के बौद्ध-स्तूप का निर्माण • भिक्षुओं के कमरों का बना होना • पुरातत्त्व के विद्वानों द्वारा चबूतरे के पीछे वाले हिस्से को 'गढ़' और ठीक सामने वाले हिस्से को 'उच्च' कहकर संबोधित करना • आस-पास का प्राकृतिक सौंदर्य का राजस्थान से मिलता-जुलता होना	5